खबर संक्षेप

पत्नी के न आने से खफा युवक ने फांसी लगाकर दी जान

शहडोल। जिले के जैतपुर थाना क्षेत्र के शाही गांव में एक नवविवाहित युवक ने फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। बताया जा रहा है कि युवक मानसिक रूप से परेशान था क्योंकि उसकी पत्नी लंबे समय से मायके में रह रही थी और लौटने से इंकार कर रही थी। घटना ने पूरे गांव को स्तब्ध कर दिया है। खबर है कि रामफल सिंह गोंड उम्र 22 वर्ष पिता अमर सिंह, निवासी शाही गांव ने शुक्रवार की देर रात अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों ने जब सुबह कमरे का दरवाजा नहीं खुला देखा, तो किसी तरह अंदर पहुंचे। वहां रामफल का शव फंदे से झूलता मिला। परिजन तुरंत उसे नीचे उतारकर स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र ले गए, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

परिजनों ने पुलिस को बताया कि रामफल की शादी इसी वर्ष मई 2025 में पास के ही गांव में हुई थी। विवाह के बाद पत्नी करीब एक माह ससुराल में रही, फिर मायके चली गई और दोबारा लौटने से इंकार कर दिया। तीन दिन पूर्व रामफल अपने परिवार के साथ उसे बुलाने गया था, लेकिन पत्नी ने आने से मना कर दिया। इसी बात से व्यथित होकर उसने यह आत्मघाती कदम उठा लिया।

घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी जिया-उल-हक पुलिस दल के साथ मौके पर पहुंचे और पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। थाना प्रभारी ने बताया कि मामले में मर्ग कायम कर विवेचना शुरू कर दी गई है। प्रारंभिक जांच में पारिवारिक तनाव आत्महत्या का कारण प्रतीत हो रहा है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है। गांव में इस घटना से मातम छा गया है। परिजन गहरे सदमे में हैं और ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए परिवारिक परामर्श और सामुदायिक जागरूकता की पहल की जानी चाहिए।

बेमौसम बारिश ने खोली विकास की पोल

अमृत स्टेशन योजना के ठेकेदार की लापरवाही उजागर

शहडोल।

कहते हैं कि बारिश कभी झूठ नहीं बोलती और शहडोल में बेमौसम हुई यह बरसात उस सच की गवाही बन गई, शनिवार की शाम झमाझम बारिश ने पूरे शहर को पानी-पानी कर दिया। शहडोल रेलवे स्टेशन, जो अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकसित किया जा रहा मॉडल स्टेशनों में से एक बताया जा रहा था, देखते ही देखते तालाब बन गया। रेलवे स्टेशन परिसर के बाहर का दृश्य ऐसा था मानो किसी उपेक्षित गांव की चौपाल हो, स्टेशन के बाहर सडक पानी में डूब गई, ट्रेन पकडने आए यात्रियों को पानी से गुजरना पड़ा। कई यात्रियों के बैग भींग गए, तो बुजुर्ग और महिलाएं रास्ता तलाशती रहीं।

अमृत भारत स्टेशन योजना की हकीकत सामने

भारत सरकार ने देशभर में रेलवे स्टेशनों के कायाकल्प की बड़ी योजना शुरू की है। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत आधुनिक स्टेशन, वाई-फाई, फूड कोर्ट, साफ-सुथरे शौचालय, आकर्षक गेट और सुंदर लैंडस्केप जैसी सुविधाएं देने का वादा किया गया है, लेकिन शहडोल रेलवे स्टेशन पर इस योजना की जमीनी सच्चाई बिल्कुल उलटी दिखाई दी। जिन ठेकेदारों को करोड़ों का ठेका दिया गया है, उन्होंने काम में ऐसी लापरवाही दिखाई कि पहली ही बारिश में विकास की पूरी कहानी बह गई। ठेकेदारों ने न तो सही जल निकासी की व्यवस्था की, न स्टेशन के बाहर की सडक़ों का समुचित निर्माण किया। कहीं नालियों की ढलान उलटी है, तो कहीं पाइपलाइन अधूरी छोड़ी गई। स्टेशन के चारों ओर बिछे पक्के फर्श ने पानी निकलने का रास्ता बंद कर दिया।

नगर पालिका की कार्यशैली पर सवाल

केवल स्टेशन ही नहीं, नगर पालिका की लापरवाही भी बारिश में नग्न होकर सामने आई। शहर की कई प्रमुख सडक़ें वर्षों से बदहाल हैं। सीवर लाइन का काम आधा-अधूरा पड़ा है और जहां काम पूरा दिखाया गया है, वहां भी नालियां जाम हैं, लोगों ने तंज कसते हुए कहा कि शहर की कुछ सडक़ें अब पर्यटन स्थल घोषित कर देनी चाहिए, उन्हें देखने के लिए भी टिकट लगना चाहिए। झूला पुल से लेकर पुलिस लाइन तक की सडक़ का निर्माण कार्य स्वीकृत हुआ था, लेकिन जिस गति से काम चल रहा है, उससे साफ है कि जनता को केवल झुनझुना थमा दिया गया है।

रेलवे का कायाकल्प या कागजी विकास?

रेलवे स्टेशन में अमृत भारत स्टेशन योजना की पोल खुल गई है, जिन वादों में आधुनिक सुविधाएं, स्मार्ट टेक्नोलॉजी और यात्रियों के लिए विश्वस्तरीय अनुभव का दावा किया गया था, वे सब इस बारिश में तैरते नजर आए। एक यात्री ने कहा अगर यह अमृत स्टेशन है, तो फिर विकास का स्वाद इतना खारा क्यों लग रहा है? बारिश होते ही स्टेशन के बाहर तालाब बन जाता है। यह कैसी योजना है? वहीं एक अन्य यात्री ने कहा कि स्टेशन की सुंदरता पर करोड़ों खर्च किए गए, लेकिन जल निकासी पर एक पैसा नहीं। विकास का सारा धन केवल दिखावे में बहा दिया गया है।

जवाबदेही तय कौन करेगा?

अब बड़ा सवाल यह है कि इन हालातों की जवाबदेही कौन लेगा? जिसने अमृत स्टेशन योजना का पैसा केवल दिखावे में खर्च कर दिया? स्थानीय लोगों का कहना है कि अधिकारियों को इस पूरे प्रकरण की जांच करानी चाहिए। यदि अमृत योजना के तहत गुणवत्ताहीन कार्य किए गए हैं, तो ठेकेदार पर कार्रवाई होनी चाहिए कुल मिलाकर, बेमौसम हुई यह बारिश शहडोल के प्रशासनिक इंतजामों पर सवालिया निशान छोड़ गई। अमृत भारत स्टेशन योजना का सपना फिलहाल गड्ढों और जलभराव में डूबा नजर आ रहा है। नगर पालिका की निष्क्रियता और ठेकेदारों की मनमानी ने शहर को फिर एक बार पानी में डुबो दिया है।

विधायक ने खिलाड़ियों और कोचों को किया सम्मानित, शहडोल टीम बनी विजेता

अभिभावकों की बदली सोच, युवा खेल की दुनिया में लहरा रहे परचम: विधायक

शहडोल।

महात्मा गांधी स्टेडियम में आयोजित तीन दिवसीय 69वीं राज्य स्तरीय शालेय 14 वर्षीय बालिका बास्केटबॉल प्रतियोगिता का समापन शुक्रवार को विधायक श्रीमती मनीषा सिंह के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। समापन समारोह में उत्साह और जोश से भरे माहौल के बीच शहडोल संभाग की टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए भोपाल को 36-18 से पराजित कर खिताब अपने नाम किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक मनीषा सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में अभिभावकों की सोच में सकारात्मक बदलाव आया है। अब वे अपने बच्चों को पढ़ाई के साथ खेलों के लिए भी प्रोत्साहित कर रहे हैं। परिणामस्वरूप आज युवा देश-विदेश के खेल मंचों पर अपना परचम लहरा रहे हैं। उन्होंने कहा कि खेल न केवल शारीरिक और मानसिक विकास का माध्यम हैं, बल्कि जीवन में अनुशासन और संघर्ष की भावना भी उत्पन्न करते हैं। विधायक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में खिलाड़ियों की छिपी प्रतिभा को निखारने के लिए अनेक अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। मन की बात और परीक्षा पर चर्चा जैसे कार्यक्रम विद्यार्थियों को तनावमुक्त रहकर सफलता की राह दिखा रहे हैं। केंद्र एवं राज्य सरकार किसान, महिला, युवा और समाज के हर वर्ग के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं।

सदस्य जिला योजना समिति श्रीमती अमिता चपरा ने अपने उद्बोधन में कहा कि कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती। खिलाड़ियों को चाहिए कि वे खेल को केवल जीत-हार की दृष्टि से नहीं, बल्कि सीखने और आगे बढऩे की प्रेरणा के रूप में देखें। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी अमृतधारा के समान निरंतर आगे बढ़ते रहें, आने वाला समय शहडोल और मध्यप्रदेश के लिए खेलों के क्षेत्र में स्वर्णिम होगा।

विधायक मनीषा सिंह ने विजेता व उपविजेता टीमों के खिलाड़ियों और कोचों को शील्ड एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अमृता गर्ग, संयुक्त संचालक लोक शिक्षण उमेश धुर्वे, जिला शिक्षा अधिकारी फूल सिंह मरपाची, समाजसेवी चंद्रेश द्विवेदी, पद्म खेमखा, संतोष लोहानी, पार्षद सिल्लू रजक, खेल अधिकारी सुदर्शन मिश्रा, कोच के.के. श्रीवास्तव सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। मध्यप्रदेश शासन स्कूल शिक्षा विभाग के तत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता में इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, उज्जैन, सागर, जबलपुर, नर्मदापुरम, रीवा और शहडोल संभाग सहित जनजाति कार्य विभाग की टीमों ने प्रतिभाग किया।

अधीनस्थ को पीटा, बाईं आंख में चोट

सिविल अस्पताल में ड्यूटी डॉक्टर पर गंभीर आरोप

शहडोल।

जिले के जयसिंहनगर विकासखण्ड में सिविल अस्पताल के डॉक्टर पर अपने अधीनस्थ कर्मचारी के साथ बेरहमी से मारपीट करने का गंभीर आरोप लगा है। शिकायतकर्ता राजेंद्र कुशवाहा (ग्रुप-डी, वार्ड बॉय) ने पुलिस को देने वाली लिखित रिपोर्ट में कहा है कि 25 अक्टूबर 2025 की रात लगभग 11:54 बजे डॉ. आनंद प्रताप सिंह ने बार-बार फोन कर परेशान किया। जब राजेंद्र ने देर से कॉल उठाई तो डॉक्टर ने तुरंत अस्पताल आने का कहा। अस्पताल पहुँचते ही, उनके अनुसार डॉक्टर नशे की हालत में थे और उन्होंने गाली-गलौज करते हुए राजेंद्र का कॉलर पकडक़र लात-घूंसे से पीटा। पीड़ित के मुताबिक उस दौरान बाईं आंख व पीछे के हिस्से में चोट आई है और कई मरीज व अस्पताल स्टाफ ने मारपीट देखी, कुछ ने बीच बचाव भी किया।

राजेंद्र ने पुलिस थाने में रिपोर्ट कराते हुए यह भी कहा है कि डॉ. आनंद प्रताप सिंह पहले भी नशे में अस्पताल में हंगामा करते रहे हैं और कई बार कर्मचारियों व मरीजों के साथ अभद्र व्यवहार कर चुके हैं। पीड़ित ने आरोप लगाया कि डॉक्टर ने जान से मारने की धमकी भी दी। राजेंद्र फिलहाल भयभीत हैं और सुरक्षा की गुहार लगा चुके हैं। पुलिस ने मामले की प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है, बताया जा रहा है कि आरोपियों और गवाहों से बयानों की मांग की जा रही है। स्थानीय अस्पताल स्टाफ डॉक्टर के असर के चलते खुलकर बोलने में हिचक रहे हैं और कई कर्मचारी घटना के गवाह होने के बावजूद दबाव के कारण बयान देने से कतरा रहे हैं, यह बात पीड़ित के आरोपों में दर्ज है। प्रशासनिक स्तर पर यदि वीडियो या कॉल-लॉग पुष्टि कर देते हैं तो मामले में सख्त कार्रवाई सम्भव मानी जा रही है। पीड़ित ने अपने जीवन और सुरक्षा को लेकर आशंका जताई है और पुलिस से संरक्षण की भी मांग की है।

साहस और मानवता की मिसाल

थाना प्रभारी बृजेंद्र मिश्रा ने जलते घर से बचाई चार लोगों की जान

शहडोल।

जिले के पपौंध थाना क्षेत्र के निपानिया गांव में रविवार को रूप धारी जायसवाल के कच्चे मकान में खाना बनाते समय अचानक आग लग गई। कुछ ही पलों में आग ने पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया। लोग घबराहट में इधर-उधर भागने लगे, लेकिन अंदर से चीख-पुकार की आवाजें आ रही थीं। इसी बीच क्षेत्र भ्रमण पर निकले पपौंध थाना प्रभारी उप निरीक्षक बृजेंद्र मिश्रा मौके पर पहुंचे। स्थिति की गंभीरता समझते हुए उन्होंने बिना समय गंवाए स्वयं जलते मकान में प्रवेश किया। अंदर फंसे चार लोगों को उन्होंने सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इस दौरान श्री मिश्रा के हाथ झुलस गए, वहीं घर में मौजूद रूप धारी जायसवाल गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें पुलिस ने उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया।प्रत्यक्षदर्शी रमेश के अनुसार, जब कोई भी व्यक्ति आग के डर से मकान के अंदर जाने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा था, तभी थाना प्रभारी मिश्रा ने अपने जीवन की परवाह किए बिना अंदर जाकर लोगों की जान बचाई। थाना प्रभारी मिश्रा ने बताया कि घटना के बाद उन्होंने तुरंत थाने को सूचना दी। इसी बीच आरक्षक नबी खान ने सूझ-बूझ का परिचय देते हुए सडक़ की सिंचाई कर रहे टैंकर को मौके पर बुलाया। पुलिस और ग्रामीणों की मदद से आग पर काबू पाया गया। इस घटना में रूप धारी जायसवाल का घर और सामान जलकर खाक हो गया, जिससे लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। लेकिन थाना प्रभारी की त्वरित कार्रवाई और साहसिक निर्णय से एक ब?ी जनहानि टल गई। ग्रामीणों का कहना था कि फरिश्ता बनकर पहुंचे थे थाना प्रभारी। यह घटना पुलिस सेवा में समर्पण, संवेदनशीलता और कर्तव्यनिष्ठा का जीवंत उदाहरण है।

विभिन्न मुद्दों को लेकर भारत रक्षा मंच ने आयोजित की बैठक

जयसिंहनगर। भारत रक्षा मंच शहडोल के तत्वावधान में विगत 23 अक्टूबर 2025 को डॉक्टर सीपी तिवारी स्मृति महाविद्यालय अमझोर में बैठक का आयोजन किया गया। भारत रक्षा मंच देश भर में लगातार लोगों को भारतीय संस्कृति एकता एवं अखंडता सहित विभिन्न मुद्दों हेतु जागरूक करने का काम कर रही है। भारत रक्षा मंच के राष्ट्रीय मंत्री डॉक्टर एच पी तिवारी ने भारत रक्षा मंच शहडोल की संगठनात्मक बैठक में कार्यकर्ताओं को संबोधित किया उन्होंने कहा कि भारत की एकता और अखंडता को बनाए रखने के लिए भारत में घुसपैठी गतिविधियों को रोकने, राष्ट्र विरोधी संगठनों को रोकने एवं जागरूक करने। सनातन धर्म और सनातन संस्कृति के संरक्षण संवर्धन से न केवल राष्ट्र बल्कि संपूर्ण विश्व और जीव मात्र का संरक्षण होगा अतः संगठन के प्रत्येक कार्यकर्ताओं को हिंदुत्व के संरक्षण के लिए कृत संकल्पित होना चाहिए। मंच में महिला प्रकोष्ठ की जिला संयोजक शीला तिवारी ने कहा कार्यकर्ता ही संगठन की पूंजी होते हैं इसके बल पर संगठन एक बीज से विशाल वट वृक्ष का रूप लेता है। बैठक में जिला संयोजक पवन तिवारी भारत रक्षा मंच शहडोल व राजेश तिवारी पूर्व मंडी अध्यक्ष, शिवकुमार तिवारी शैलेंद्र शर्मा, सूरज कुमार त्रिपाठी, प्रिन्सू गुप्ता, गीता गुप्ता, सरोज दुबे, पार्वती सिंह, संजना गुप्ता, आरती कहार, रीता गिरि, दिनेश सिंह विनीत पांडेय, सविता कहार सहित अन्य कई लोग बैठक में शामिल हुए।

सीईओ जिला पंचायत ने दी सख्त चेतावनी

31 दिसंबर तक हर विकास कार्य पूरा करें अधिकारी

गुणवत्ता पर कोई समझौता नहीं, लक्ष्य हासिल करने में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी

शहडोल। जिला पंचायत सभागार में शुक्रवार को आयोजित समीक्षा बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शिवम प्रजापति ने विभागीय अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि जिले में जारी सभी निर्माणाधीन विकास कार्यों को 31 दिसंबर तक हर हाल में पूर्ण कराया जाए। सीईओ ने स्पष्ट कहा कि अब किसी भी तरह की देरी या गुणवत्ता में कमी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों की समयसीमा तय है और अधिकारियों की जवाबदेही भी तय होगी। जो विभाग लापरवाही करेगा, उसके विरुद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। बैठक में उन्होंने 'एक बगिया मां के नाम' योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, डीएमएफ मद से स्वीकृत कार्यों और पीएम जनमन योजना सहित अन्य प्रमुख योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिया कि पात्र हितग्राहियों को लाभ पहुंचाने में कोई ढिलाई न बरती जाए। बैठक में अतिरिक्त सीईओ मुद्रिका सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। सीईओ ने अधिकारियों से कहा कि लक्ष्य सिर्फ काम पूरा करना नहीं, बल्कि गुणवत्ता के साथ काम कर जिले को उत्कृष्ट श्रेणी में लाना है।

विश्वविद्यालय में साइबर सुरक्षा जागरूकता माह का भव्य आयोजन

शहडोल। पंडित शम्भूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय में अक्टूबर माह के अवसर पर राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा जागरूकता माह के तहत साइबर जागृत भारत अभियान के अंतर्गत एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों और विश्वविद्यालय कर्मचारियों में साइबर सुरक्षा के प्रति सजगता और जिम्मेदारी विकसित करना था। कार्यक्रम में लगभग 70 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया और उत्साहपूर्वक अपनी सहभागिता दर्ज कराई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर राम शंकर ने कहा कि आज के डिजिटल युग में साइबर सुरक्षा केवल तकनीकी विषय नहीं, बल्कि हर नागरिक की सामाजिक और व्यक्तिगत जिम्मेदारी भी है। हमें सजग रहकर ही सुरक्षित डिजिटल भारत का निर्माण करना है। कुलसचिव प्रोफेसर आशीष तिवारी ने विद्यार्थियों को साइबर अपराधों से बचाव के उपाय बताते हुए कहा कि डिजिटल दुनिया में थोड़ी-सी लापरवाही भी गंभीर हानि पहुंचा सकती है। इसलिए प्रत्येक नागरिक को साइबर सुरक्षा के नियमों का पालन करना अत्यावश्यक है। इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण गौरव गुप्ता, निदेशक (वैज्ञानिक 'एफ'), इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार थे, जिन्होंने साइबर अपराध और सुरक्षा विषयक विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने विद्यार्थियों को डिजिटल दुनिया में सुरक्षित रहने के व्यवहारिक उपायों के बारे में समझाया।

कार्यक्रम का संचालन विश्वविद्यालय के तकनीकी प्रकोष्ठ द्वारा किया गया और इसे ऑनलाइन माध्यम से प्रत्यक्ष प्रसारण भी किया गया, जिससे विश्वविद्यालय के शिक्षक और विद्यार्थी बड़ी संख्या में जुड़ सके। कार्यक्रम में डिजिटल सुरक्षा, ऑनलाइन सतर्कता और साइबर अपराध से बचाव के उपायों पर महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। अंत में धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया। आयोजन से विद्यार्थियों और कर्मचारियों में डिजिटल दुनिया में सजगता और सतर्कता का नया संदेश उत्पन्न हुआ। विशेषज्ञों ने जोर देकर कहा कि साइबर सुरक्षा केवल व्यक्तिगत हित का विषय नहीं है, बल्कि देश की सुरक्षा और सामाजिक जिम्मेदारी भी है। इस प्रकार विश्वविद्यालय ने साइबर जागरूकता के क्षेत्र में महत्वपूर्ण पहल करते हुए विद्यार्थियों में सजगता और जिम्मेदारी की भावना विकसित की।

खबर संक्षेप

डिस्ट्रिक्ट मॉनिटरिंग कमेटी ऑन एक्सेसिबल इलेक्शन की बैठक आज

उमरिया। भारत निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश भोपाल के निर्देशानुसार जिले के लिए जिला स्तर पर दिव्यांगों व वरिष्ठ नागरिकों की चुनाव प्रक्रिया में अधिकतम सहभागिता व साझेदारी को सुनिश्चित करने, उनको दी जा रही सुविधाओं की समीक्षा एवं उपायों को कारगर बना कर चुनावी प्रक्रिया को और अधिक सुलभ बनाने हेतु जिला स्तरीय समिति डिस्ट्रिक्ट मॉनिटरिंग कमेटी ऑन एक्सेसिबल इलेक्शन (डीएमके) का पुर्नगठन किया गया है। समिति की तिमाही बैठक 27 अक्टूबर 2025 को समय अपरान्ह 12.30 बजे कलेक्टर सभागार कक्ष में आयोजित की गई है। बैठक में सर्व संबंधितों से उपस्थिति की अपेक्षा की है ।

28 अक्टूबर को रोजगार मेला का आयोजन

उमरिया। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि प्रधानमंत्री कौशल केंद्र खलेसर नाका उमरिया में एक दिवसीय युवा संगम रोजगार मेले का आयोजन 28 अक्टूबर को सुबह 11 बजे से किया गया है । मेले में एसबीआई कार्ड उमरिया, उत्कर्ष माइक्रोफाईनेंस उमरिया, फोन पे उमरिया, फ्लिपकार्ट उमरिया, प्रथम एजुकेशन जबलपुर, एसआईएस अनूपपुर, एलआईसी उमरिया, मोबाइल पे, टी एस पी एल ग्रुप पुणे, राव्या वर्क फोर्स, श्रीराम फाइनेंस ,एलटी इज इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड सहित अन्य कंपनी भाग लेगी ।

सामान्य भविष्य निधि की शिकायतों के समाधान के लिये

उमरिया। राज्य के सामान्य भविष्य निधि (जीपीएफ) अभिदाताओं की शिकायतों के त्वरित और प्रभावी समाधान के उद्देश्य से कार्यालय महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी)-द्वितीय, मध्यप्रदेश, ग्वालियर में 27 से 31 अक्टूबर 2025 तक 'शिकायत निवारण सप्ताह' आयोजित किया जा रहा है। यह पहल महालेखाकार कार्यालय द्वारा अभिदाताओं की समस्याओं को प्राथमिकता से सुलझाने और सेवा वितरण में पारदर्शिता एवं दक्षता लाने के उद्देश्य से की जा रही है। सप्ताह भर चलने वाले इस विशेष अभियान के दौरान जीपीएफ अभिदाताओं को अपनी शिकायतें सीधे महालेखाकार कार्यालय, ग्वालियर में प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा। साथ ही समस्त आहरण संवितरण अधिकारी एवं लेखा संबंधी कार्यों में संलग्न अधिकारी को अभिदाताओं की शिकायतों का त्वरित परीक्षण कर तत्काल निराकरण सुनिश्चित करवा सकेंगे।

बीएसएनएल की दूरसंचार सेवाएं हो रही बाधित

राजनगर। भारत संचार निगम लिमिटेड जो पूरे भारतवर्ष में अपनी 4जी सेवाएं रोल आउट कर अब 5 जी सेवा प्रदान करने कि तैयारी कर रही है वहीं मध्यप्रदेश दूरसंचार परिमंडल के सतना बीए के अंतर्गत अनूपपुर जिले में दूरसंचार सेवाएं की हालत काफी गंभीर है। अक्टूबर महीने में ही चार बार से अधिक कोतमा से राजनगर के मध्य ऑप्टिकल फाइबर केबल कट चुकी है। यह ऐसा पहली बार नहीं है इसके पहले सितंबर माह में भी कई बार ओएफसी केबल कटी है। उसके पहले भी कई बार केबल कटी है। जिसका पूर्व में समाचार पत्र के माध्यम से प्रकाशन किया गया है। जिसको जोड़ने में काफी समय लग जाता है। छुट्टी के दिनों में त्योहारों के दिनों में यह स्थिति और गंभीर हो जाती है। तब तक क्षेत्र की प्रमुख नगर बिजुरी, कपिलधारा, राजनगर, पौराधार, डूमरकछार,क्षेत्र की बीएसएनएल की मोबाइल सेवा इंटरनेट सेवाएं बंद रहती हैं। विभाग द्वारा अब तक इस पर कोई भी वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की गयी है। केबल कटते ही दूसरे क्षेत्र से रिंग सेवा रहने से दूरसंचार सेवाएं मिल सके। जिसका कारण आज कोतमा क्षेत्र से किसी जमाने में बीएसएनएल 15 लाख से अधिक रुपए का आमदनी देने वाला यह क्षेत्र आज एक लाख तक में सिमट कर रह गया है। रिचार्ज कूपन तथा सिम की बिक्री अब ना के बराबर है, इस क्षेत्र विभाग उपभोक्ताओं को सेवा देने में फिसड्डी साबित हो रही है। उपभोक्ताओं ने बताया कि जब नेटवर्क रहता ही नहीं तो रिचार्ज कराने से कोई फायदा नहीं, आए दिन केबल कटने से क्षेत्र में दूरसंचार सेवाएं बंद रहती हैं। दुरभाष केंद्र राजनगर में लाइट कटने के बाद नेटवर्क बंद हो जाता है। डेढ़ साल से अधिक समय से बैटरी खराब है। कॉरपोरेट ऑफिस तथा सर्किल ऑफिस से अब तक बैटरी के व्यवस्था नहीं की जा सकी। नौ दिन चले अढाई कोस के तर्ज पर विभाग की स्थिति बनी हुई है। जरूरत आज है और व्यवस्था हो रही है 6 महीने बाद। इतने दिन तक उपभोक्ताओं का सब्र का बांध टूट जाता है, और उपभोक्ता अपनी सिम पोर्ट करा कर दूसरे कंपनी में चले जाते हैं। राजनगर में कवरेज की भी बड़ी समस्या है, 2जी का एक सेक्टर कई माह से बंद है।

धनपुरी में चीनी मित्र मंडली का भव्य सम्मान समारोह सम्पन्न

सर्व धर्म हिताय, सर्व जन सुखाय के मंत्र से गूंजा नगर

एकता, सेवा और संस्कार का संगम

नगर में सर्वधर्म समभाव, समाजसेवा और संस्कारों के संगम का एक भव्य आयोजन सम्पन्न हुआ। सर्व धर्म हिताय, सर्व जन सुखाय की भावना से प्रेरित यह सर्वधर्म समाजसेवी सम्मान समारोह, समाज में एकता और सहयोग का सशक्त प्रतीक बन गया।

धनपुरी।

कार्यक्रम के मुख्य संयोजक अतीक खान (बाबा) ने बताया कि यह आयोजन केवल सम्मान का नहीं, बल्कि समाज को जोडऩे का प्रयास है। उन्होंने कहा जब हर वर्ग एक साथ आकर एक-दूसरे के योगदान को स्वीकार करता है, तभी सच्चे सामाजिक परिवर्तन की शुरुआत होती है। इस अवसर पर समाज के विभिन्न वर्गों, समाजसेवियों, पत्रकारों, शिक्षकों, प्रशासनिक अधिकारियों और आम नागरिकों ने एकजुट होकर एक-दूसरे का उत्साहवर्धन किया।

कार्यक्रम की विशेषताएँ

समारोह की शुरुआत मंगलाचरण और दीप प्रज्वलन से हुई। इसके बाद नगर के बच्चों ने एक से बढक़र एक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं, जिनमें एकता, सेवा और संस्कारों का संदेश निहित था। कार्यक्रम का संचालन कैलाश लालवानी ने प्रभावशाली ढंग से किया और आभार प्रदर्शन मुख्य संयोजक अतीक खान (बाबा) ने किया। उन्होंने कहा यह सम्मान समारोह केवल व्यक्तियों का नहीं, बल्कि समाज के हर उस व्यक्ति का सम्मान है जो सेवा को अपना धर्म मानता है।

सकारात्मक परिवर्तन संभव

पूर्व सोहागपुर विधायक छोटेलाल सरावगी ने समारोह को

संबोधित करते हुए कहा धनपुरी में चीनी मित्र मंडली ने जिस तरह समाज के हर वर्ग को एक मंच पर लाकर सेवा, सौहार्द और समरसता का वातावरण निर्मित किया है, वह अनुकरणीय है। समाज तभी आगे बढ़ता है जब उसमें आपसी सम्मान और सहयोग की भावना जीवित रहती है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से नई पीढ़ी को संस्कार और प्रेरणा मिलती है, जिससे समाज में सकारात्मक परिवर्तन संभव होता है।

एकता में है समाज की शक्ति

बुढ़ार नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती शालिनी सरावगी ने अपने वक्तव्य में कहा कि चीनी मित्र मंडली का यह आयोजन हमें यह सिखाता है कि सेवा की भावना ही सच्ची धर्मपरायणता है। जब समाज के लोग मिलकर काम करते हैं तो, किसी भी क्षेत्र में विकास और सद्भाव की राह आसान हो जाती है। उन्होंने कहा कि समाज की शक्ति एकता में है, और ऐसे आयोजन उस एकता को स्थायी स्वरूप देते हैं।

सौहार्द की भावना को किया जीवंत

अधिवक्ता संघ अध्यक्ष जयकांत मिश्र ने अपने संबोधन में कहा चीनी मित्र मंडली ने जिस समरसता और सौहार्द की भावना को जीवंत किया है, वह वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। समाज के प्रत्येक वर्ग को एक मंच पर लाकर सेवा और संस्कार का जो वातावरण निर्मित किया गया, वह प्रशंसनीय है। ऐसे आयोजन न केवल प्रेरणा देते हैं, बल्कि समाज में आपसी विश्वास और सहयोग की भावना को भी प्रबल करते हैं। हमें इसी

भावना के साथ न्याय, सेवा और मानवता के मार्ग पर आगे बढऩा चाहिए।

सामाजिक एकता का केंद्र

राजीव सिंह (स्पेशल ब्लास्ट रायपुर, छत्तीसगढ़) ने कहा चीनी मित्र मंडली ने धनपुरी को सामाजिक एकता का केंद्र बना दिया है। इस संस्था का हर सदस्य सेवा को कर्म और सहयोग को संस्कृति मानता है। यही सच्चे सामाजिक परिवर्तन की बुनियाद है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन सीमित संसाधनों में भी बड़े विचारों को साकार करने का उत्कृष्ट उदाहरण है।

सामाजिक चेतना रहे हमेशा जीवित

रविकरण त्रिपाठी ने वक्तव्य में कहा कि यह आयोजन इस बात का प्रमाण है कि यदि समाज में सद्भाव और सेवा की भावना सशक्त हो, तो हर कठिनाई का समाधान संभव है। यहाँ धर्म, जाति या वर्ग की दीवारें नहीं, बल्कि मानवता की डोर दिखाई देती है। धनपुरी की यह पहल आने वाले समय में पूरे संभाग के लिए उदाहरण बनेगी। हमें मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि ऐसी सामाजिक चेतना हमेशा जीवित रहे और सेवा को समाज का स्थायी संस्कार बनाया जाए।

सम्मानित समाजसेवी और प्रतिनिधि

इस अवसर पर नगर के प्रमुख समाजसेवियों, पत्रकारों, शिक्षकों, प्रशासनिक और सेवा कार्यों से जुड़े लोगों को सम्मानित किया गया। पत्रकारिता जगत से सोनल शर्मा, ऋतुपर्ण दवे, कैलाश लालवानी, अजय नामदेव, प्रवीण पाठक, सूरज श्रीवास्तव, राजा चौधरी, अंकित लहोटी, संतोष शर्मा, राजू अग्रवाल, रघुनंदन चौहान और मोहान नामदेव 'पुजारी' सहित कई मीडिया प्रतिनिधियों ने सक्रिय उपस्थिति दर्ज की।

इनकी भी रही उपस्थिति

सामाजिक कार्यों से जुड़े प्रतिनिधियों में पवन चीनी, विशाल पुरी, संदीप पुरी, संतोष टंडन, मयंक सेंगर, अंकित पाण्डेय, महमूद अंसारी, अशोक जेठानी, अरविंद शाहनी, राहुल खण्डेकर, अंकित पाण्डेय, आकाशा पासवान, मिथलेश वर्मा, रवि दुबे, न्यामुद्दीन अली, दीपक सिंह, रफीक खान, अजीम खान, ज्ञानेन्द्र पाण्डेय, मनीष चौहार, चंदन राय, हरि मार्य, राजेश यादव, दीपक पाण्डेय, शिव कुमार पनिका, शनि गुप्ता, राहुल सिंह, अशोक डोडानी, संजय डोडानी, अमित गुप्ता, सचिन पुरी, ओम प्रकाश डोडानी, सोनू आहूजा, शिवम पाण्डेय, विवेक पाण्डेय, रविकांत शर्मा, आकाश सिंह की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। विभागीय प्रतिनिधियों में विद्युत विभाग से अजीत श्रीवास्तव, विज्ञान ठाकुरडे, जी.एल. पुरी, जल विभाग से राजेश तिवारी, शिक्षा विभाग से सुभाष शर्मा और पुलिस विभाग से संदीप मिश्रा उपस्थित रहे। इसके अलावा समाजसेवी सलाभ दीक्षित, आनंद गुप्ता, हिदायतुल्लाह और रविकांत त्रिपाठी आदि ने आयोजन में सहयोग प्रदान किया।

समरसता और सहयोग का संकल्प

कार्यक्रम के अंत में सामूहिक रूप से यह संकल्प लिया गया कि समाज के हर वर्ग के बीच भाईचारे, सद्भाव और सहयोग की यह परंपरा निरंतर जारी रहेगी। चीनी मित्र मंडली के सदस्यों ने एक स्वर में कहा कि वे समाजसेवा, शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण और मानवता की दिशा में निरंतर कार्य करते रहेंगे। यह आयोजन धनपुरी की सामाजिक चेतना का सजीव उदाहरण बन गया। सर्व धर्म हिताय, सर्व जन सुखाय का नारा पूरे समारोह में गूंजता रहा और लोगों ने इसे जीवनमंत्र के रूप में आत्मसात करने का संकल्प लिया।

जिला, तहसील एवं विकासखंड स्तर पर बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी नियुक्त

उमरिया। बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 (2007 का संख्यांक 6) की उपधारा 16 की उप धारा के तहत राज्य शासन द्वारा जिल स्तर पर कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन,मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभय सिंह,तहसील स्तर पर समस्त अनुविभागीय अधिकारी,राजस्व तथा विकासखण्ड स्तर पर समस्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत समस्त परियोजना अधिकारी मबावि को बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी नियुक्त किया गया है। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, पुलिस अधीक्षक,अनुविभागीय अधिकारी समस्त,मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत समस्त,प्रशासक वन स्टाप सेंटर से कहा है कि आंगनबाडी स्तर पर 18 वर्ष से कम उम्र की बालिकाओं एवं 21 वर्ष से कम उम्र के बालकों की सूची तैयार कर ली जावें। जिला एवं खंड स्तर पर बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 पर कार्यशाला का आयोजन किया जावे। विवाह में सेवा देने वाले सेवा प्रदाताओं जैसे प्रिंटिंग प्रेस, हलवाई, केटर्स,धर्मगुरू,बैंड वाला,ट्रांसपोर्ट एवं समाज के मुखिया,जनप्रतिनिधियों एवं अशासकीय संस्थाओं के प्रतिनिधियों को कार्यशाला के माध्यम से संवेदीकरण कर बाल विवाह में अपनी सेवाएं न देने की अपील की जावें। बाल विवाह रोकथाम हेतु कंट्रोल रूम,जिला स्तर पर वन स्टॉप सेन्टर उमरिया में स्थापित किया जाता है। बाल विवाह से संबंधित सूचना कंन्ट्रोल रूम उमरिया 07653-292939 पर दी जा सकेगी। इसके अतिरिक्त चाईल्ड हेल्पलाईन नंबर 1098 पर भी बाल विवाह की सूचना दी जा सकेगी। सुझावात्मक गतिविधियां में हेल्पलाईन 198,1098, का प्रचार-प्रसार स्कूली बच्चों, आंगनबाडी के बच्चों,सभी शासकीय/अशासकीय महाविद्यालय में बाल विवाह रोकथाम हेतु रैली का आयोजन सभी ग्राम पंचायतों में बाल विवाह रोकथाम शपथ का आयोजन तथा शपथ-सूचना चस्पा की जावे। बाल विवाह रोकथाम गठित दल द्वारा निगरानी रखी जावे। सूचना प्राप्त होने पर बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के अनुसार कार्यवाही की जावे। अनुभाग स्तर पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व द्वारा उडनदस्ता दल का गठन किया जावे। स्थानीय स्तर पर गोपनीय सूचना तंत्र को सक्रिय रखा जावे।

पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में ताला में होटल एवं टैक्सी यूनियन की बैठक संपन्न

पर्यटकों की सुरक्षा पर विशेष जोर देने के दिए निर्देश

उमरिया।

पुलिस अधीक्षक विजय कुमार भागवानी की अध्यक्षता में ताला बांधवगढ़ के एमपीटी रिसोर्ट में होटल एवं टैक्सी यूनियन की बैठक संपन्न हुई । बैठक में उन्होने कहा कि बांधवगढ़ टाईगर रिजर्व मे आने वाले पर्यटको की सुरक्षा पर विशेष जोर दिया जाए। उन्होने कहा कि सी फार्म आई डी तत्काल ली जाए । बैठक में विदेशी पर्यटकों बाँधवगढ आगमन पर ऑनलाईन सी फार्म भरने, रिसोर्ट में सीसीटीव्ही कैमरा उपलब्धता, डाटा स्टोरेज क्षमता कम से कम एक माह की होने, बार लायसेंस के संबंध में चर्चा की । उन्होने कहा कि स्वीमिंग पुल का उपयोग निर्धारित समय के पश्चात नही

किया जाए। डी0जे0 तेज ध्वनि के साथ नही बजाए जाए।आईपीएल क्रिकेट मैच अथवा अन्तराष्ट्रीय क्रिकेट प्रतियोगिता के दौरान अवैध गतिविधिया नही संचालित की जाए। होटल / रिसोर्ट में कार्यरत कर्मचारी का चरित्र सत्यापन कराया जाए । उन्होने कहा कि पर्यटको के साथ किसी भी प्रकार की छेडख़ानी,जबरदस्ती फोटो/सेल्फी लेने का प्रयास नहीं किया जाए।पर्यटकों का अगर कोई सामान टैक्सी में छूट जाए या किसी को प्राप्त हो तो उनसे संपर्क कर उन्हें तुरंत वापस करें अन्यथा की स्थिति में पुलिस को सौंपे।उन्होंने कहा कि हम सभी का प्रयास हो की पर्यटक बांधवगढ़ से अच्छी यादों के साथ विदा हों ताकि यहां की समृद्धि जनजातीय संस्कृति,पारंपरिक व्यंजनों का स्वाद एवं यहां का विहंगम पर्यावरणीय अनुभव उनके मनोमस्तिष्क में सदैव तरोताजा रहे। उपसंचालक पर्यावरण विभाग राजेश गुप्ता ने होटल संचालकों को सुझाव दिया कि वो स्थानीय व्यंजनों एवं संस्कृति को बढ़ावा दें जिससे स्थानीय लोगों को ज्यादा से ज्यादा रोजगार के अवसर प्राप्त हों।उन्होंने होटल्स एवं रिजॉर्ट्स में स्वच्छता पर विशेष बल दिया तथा क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ाने एवं पर्यटन क्षेत्रों के विकास पर भी चर्चा की।

छठ महापर्व को लेकर बाजारों में बढ़ी चहल-पहल

डूबते सूर्य को अर्घ्य के साथ होगा पर्व का समापन

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

आस्था का महापर्व छठ पूजा नहाय-खाय के साथ शुरू हो गया है। रविवार को खरना छठ पूजा का दूसरा और बेहद महत्वपूर्ण दिन था महिलाएं व्रत रही और अगले दिन डूबते सूर्य को अर्घ्य देगी। कहा जाता है, प्रसाद को शुद्धता के साथ बनाना बहुत जरूरी है. शाम की पूजा के बाद व्रती प्रसाद ग्रहण करते हैं। खरना छठ पूजा का दूसरा दिन है और इसका बहुत धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व है। खरना के दिन छठी मैया की पूजा की जाती है। यह व्रत शारीरिक और मानसिक शुद्धि के लिए किया जाता है। खरना के दिन बनाए जाने वाले प्रसाद जैसे खीर, ठेकुआ आदि का विशेष महत्व होता है. इन प्रसादों को भगवान को अर्पित करने के बाद ही खाया जाता है। खरना व्रत भगवान के प्रति समर्पण और भक्ति का प्रतीक है।

महापर्व की तैयारियां जोरों पर

आस्था का महापर्व छठ को लेकर नगर एवं कोयलांचल क्षेत्र के बाजारों में चहल-पहल बढ़ गई है। बाजार में छठ पूजा में इस्तेमाल होने वाले सभी तरह के फल उपलब्ध हैं. महापर्व छठ में फलों का बहुत महत्व है। छठ पर्व में नारियल, गुग्गल नींबू, सेब, केला, संतरा, शरीफा, अमरूद और पानी फल जैसे फलों की काफी मांग रहती है. पिछले कुछ सालों से नाशपाती, रामफल, विदेशी नाशपाती और अनानास जैसे फलों की भारी मांग है। हालांकि बाजार में सबसे ज्यादा मांग सेब और केला की है. इस बार सभी फल पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। छठ महापर्व के एक दिन पूर्व रविवार को सुबह से लेकर देर रात तक बाजार में खरीदारों की भीड़ नजर आई बाजार में बास से बने सूपा दउरा सहित पूजा की सामग्रियों की दुकानें सजी हुई थी नगर के आजाद चौक गांधी चौक स्टेशन चौक में फलों की दुकान भी सजाई गई थी जिसमें खरीदारों की भीड़ नजर आ रही थी। नगर के बस स्टैंड के पास पुरनिहा तालाब एवं शिवसागर धाम तालाब में बने छठ घाट एवं वार्ड क्रमांक 09 कलमुडी घाट केवई नदी एवं वार्ड क्रमांक 12 केवई के किनारे साफ सफाई नगर पालिका के द्वारा करवाई गई। रविवार को छठ घाट की साफ सफाई की व्यवस्था देखने नपा अध्यक्ष अजय सराफ सीएमओ प्रदीप झारिया बद्री ताम्रकार राजेंद्र सोनी अर्पण सिंह योगेन्द्र तिवारी पहुंच आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए व नपा अध्यक्ष अजय सराफ ने छठ घाटों मे रोशनी की व्यवस्था के साथ ही हाई मास्क लाइट लगाने के निर्देश दिए। छठ घाट में पूर्वांचल के लोगों के द्वारा पूजा के लिए चबूतरा बनाया गया है उसकी साफ सफाई करते हुए रंग रोगन का काम किया गया छठ घाट में झालरों से रोशनी की गई थी। नगर के वार्ड क्रमांक 9 में भी छठ घाट पर साफ़ सफाई करवाते हुए रोशनी की गई है। छठ घाट में सोमवार को सूर्य देव और छठी मैया की उपासना का विशेष महत्व जिसमें व्रती सरोवर के किनारे खड़े होकर डूबते सूर्य को अर्घ्य देंगे। इस महापर्व को लेकर लोग अपने घरों की साफ सफाई और सजावट में जुटे हुए हैं और विशेष तौर से घरों को सजा रहे हैं। व्रतियों के घरों में छठ पर्व से जुड़ी तैयारियों में विशेष उत्साह देखने को मिल रहा है। सोमवार को व्रती महिलाएं एवं पुरुष अपने घरों से दउरा में पूजा की सामग्री को सिर पर रखकर बैंड बाजे के साथ छठ घाट पहुंचेंगे और पूजा अर्चना के बाद डूबते सूर्य को अर्घ्य देंगे।

छठ महापर्व की तैयारियों में नपा पसान में उमंग का माहौल

श्रद्धालुओं को मिलेगा स्वच्छ, सुरक्षित और सुंदर वातावरण -राम अवध सिंह

हरिभूमि न्यूज जमुना/बदरा।

आरोग्य, ऊर्जा और जीवन के देवता सूर्यदेव की उपासना का पवित्र पर्व छठ आस्था, श्रद्धा और पवित्रता का प्रतीक माना जाता है यह पर्व सूर्योपासना का अनोखा उदाहरण है, जिसमें भक्ति, अनुशासन और आत्मसंयम की मिसाल देखने को मिलती है लोक परंपरा के अनुसार छठ का व्रत सूर्यदेव और उनकी बहन छठी मइया को समर्पित होता है यह पर्व नहाय-खाय से प्रारंभ होकर चार दिनों तक चलता है छठ महापर्व की शुरुआत नहाय-खाय से होती है, जो इस बार शुक्रवार को मनाया गया इस दिन श्रद्धालु शुद्ध जल में स्नान कर शरीर और मन को पवित्र करते हैं उसके बाद व्रती लौकी की सब्जी, चने की दाल और भात (चावल) का सेवन करते हैं यह भोजन पूरी तरह सात्विक और बिना लहसुन-प्याज का होता है इसी के साथ व्रत का आरंभ होता है व्रती इस दिन से शुद्धता, संयम और तपस्या के मार्ग पर चल पड़ते हैं अगले दिन खरना का आयोजन होता है, जो इस बार शनिवार को मनाया जाएगा खरना के दिन व्रती पूरा दिन निर्जला उपवास रखते हैं और शाम को सूर्यास्त के बाद चावल की खीर, रोटी और गुड़ से बनी प्रसाद तैयार करते हैं। इसे पहले भगवान सूर्य को अर्पित किया जाता है, तत्पश्चात ब्राह्मणों, परिजनों और मित्रों को खिलाया जाता है। खरना की यह खीर प्रसाद स्वरूप ग्रहण कर व्रती आगे के 36 घंटे का निर्जला उपवास आरंभ करते हैं इस उपवास में अन और जल दोनों का त्याग किया जाता है, जो तप और श्रद्धा की पराकाष्ठा मानी जाती है तीसरे दिन, यानी रविवार की शाम को श्रद्धालु नदी, तालाब या किसी पवित्र जलाशय पर पहुंचकर अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देते हैं महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में सोलह श्रृंगार कर पूजा करती हैं। व्रती अपने सिर पर टोकरी या सुप में प्रसाद जैसे ठेकुआ, फल, नारियल, केला, गन्ना आदि लेकर घाट तक जाती हैं सूर्यास्त के समय पूरे वातावरण में भक्ति गीतों की गूंज और लोक संगीत की मधुर लहरियां वातावरण को पवित्र बना देती हैं घाटों पर छठी मइया के जयकारों से समूचा

वातावरण भक्तिमय हो उठता है नगर पालिका परिषद पसान में छठ घाटों की तैयारियां चरम पर नगर पालिका परिषद पसान अध्यक्ष राम अवध सिंह के निर्देशन में नगर के प्रमुख घाटों की सफाई, समतलीकरण और सौंदर्यीकरण का कार्य जोरों पर किया गया है। नगर पालिका की टीम ने भाई घाट, भालूमाड़ा पुल के नीचे स्थित घाट तथा जमुना वार्ड क्रमांक 1 के तालाब की विशेष साफ-सफाई कर ब्रह्मालुओं के लिए छठ घाट तैयार किए हैं। तालाबों में पानी की स्वच्छता और सुरक्षा के लिए बैरिकेडिंग की गई है। साथ ही प्रकाश व्यवस्था, सीसीटीवी और रेत समतलीकरण का कार्य भी पूरा किया गया है अध्यक्ष राम अवध सिंह ने बताया कि छठ पर्व आस्था और लोक संस्कृक्ति का पर्व है, इसलिए नगर पालिका का यह दायित्व बनता है कि श्रद्धालुओं को स्वच्छ, सुरक्षित और सुंदर वातावरण प्रदान किया जाए। उन्होंने नगरवासियों से अपील की है कि सभी लोग एकजुट होकर इस पवित्र पर्व को अनुशासन और स्वच्छता के साथ मनाएं नगर पालिका कर्मचारियों के साथ-साथ स्थानीय युवाओं और महिला मंडलों ने भी घाटों की सजावट में सहयोग दिया रंग-बिरंगी झालरों, केले के पत्तों और दीपमालाओं से घाटों को सजाया जा रहा है श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पीने के पानी, प्रकाश और सुरक्षा बलों की विशेष व्यवस्था की गई है।

खबर संक्षेप

डॉ पाराशर बने ब्यौहारी-बीएमओ

ब्योहारी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ राजेश मिश्रा ने जिले में 24/1025 को खंड चिकित्सा अधिकारियों के प्रभार में फेरबदल किया है सिविल अस्पताल व्यवहारी के वरिष्ठ चिकित्सक डां धर्मेन्द्र पाराशर को ब्यौहारी का बीएम ओ बनाया गया है वहीं ब्यौहारी-के सीबीएमओ डां निशांत सिंह परिहार को जैसिं नगर का बीएम ओ बनाया गया है जैसिं नगर के सीबीएमओ डां आनंद सिंह को हटाकर आमडीह प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का प्रभारी बनाया गया है।

विधायक पुत्र के निधन घर पहुंच मुख्यमंत्री ने दी श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अनूपपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक व पूर्व मंत्री बिसाहू लाल सिंह के गृह ग्राम परासी पहुंचकर उनके पुत्र स्व अमृतलाल सिंह के असामायिक निधन पर श्रद्धासुमन अर्पित कर शोक-संवेदना व्यक्त की। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करने और शोक संतप्त परिवार को दुख की इस घड़ी में संबल प्रदान करने की प्रार्थना की। इस दौरान विधायक अनूपपुर पूर्व मंत्री बिसाहूलाल सिंह व परिवार जन सहित मध्य प्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल, मध्य प्रदेश कोल विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष (कैबिनेट मंत्री दर्जा) रामलाल रौतेल, विधायक जयसिंहनगर श्रीमती मनीषा सिंह, पूर्व विधायक सुदामा सिंह, विंध्य विकास प्राधिकरण के पूर्व उपाध्यक्ष अनिल गुप्ता, रामदास पुरी, पूर्व जनपद अध्यक्ष पुष्पराजगढ़ हीरा सिंह श्याम, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद पसान राम अवध सिंह, उपाध्यक्ष अजय यादव, बृजेश गौतम, कलेक्टर हर्षल पंचोली, पुलिस अधीक्षक मोतीउर रहमान जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अर्चना कुमारी सहित संबंधित अधिकारी अन्य जनप्रतिनिधि व स्थानीय जन उपस्थित रहे।

वार्ड 29 में विकास की रफ्तार ठप

शहडोल। संभागीय मुख्यालय की नगर पालिका की सुस्ती और ठेकेदार की मनमानी ने वार्ड नंबर 29 के लोगों का जीना दूभर कर दिया है। सिंहपुर रोड स्थित एफसीआई गोदाम से औद्योगिक क्षेत्र की ओर जाने वाली सड़क का निर्माण कार्य एक साल से सिर्फ चर्चाओं और कागजों में ही सिमटकर रह गया है। जिस सीसी रोड के टेंडर की प्रक्रिया पूरी कर ली गई थी, वर्क ऑर्डर जारी हो चुका था, वह सड़क आज तक धरातल पर दिखाई नहीं दी। नगर पालिका की लापरवाही का आलम यह है कि सड़क के दोनों किनारों पर कुछ गिट्टी डालकर काम का 'ढोल' पीट दिया गया, लेकिन वास्तविक निर्माण कार्य शुरू ही नहीं हुआ।

भुगतान दो, तभी काम होगा

सूत्रों के अनुसार इस सड़क निर्माण की जिम्मेदारी जिस ठेकेदार को सौंपी गई थी, उसने पुराने बिलों के भुगतान न मिलने का हवाला देते हुए हाथ खड़े कर दिए हैं। ठेकेदार का कहना है कि जब पिछली परियोजनाओं का पैसा महीनों से अटका है, तो नई सड़क पर खर्च करने का सवाल ही नहीं उठता। इधर, नगर पालिका प्रशासन चुप्पी साधे हुए है और पार्षदों की चुप्पी ने आम नागरिकों के गुस्से को और भड़का दिया है।

सिर्फ बैठकों में सड़क बन रही है

वार्ड 29 के पार्षद शक्ति लच्छकार ने भी खुलकर नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने कहा नगर पालिका केवल मीटिंगों में काम पूरा कर रही है। लोग रोज सवाल करते हैं कि सड़क कब बनेगी, पर हमारे पास कोई जवाब नहीं। अगर निर्माण संभव नहीं है तो टेंडर ही रद्द कर देना चाहिए। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि बारिश के मौसम में यह रास्ता दलदल में तब्दील हो जाता है। जगह-जगह गड्ढे इतने गहरे हैं कि पैदल निकलना भी खतरे से खाली नहीं। बच्चे स्कूल जाने से कतराते हैं, तो बुजुर्ग घर से बाहर कदम रखने से डरते हैं। शाम ढलते ही यह मार्ग अंधेरे और धूल के बीच गायब हो जाता है।

प्रशासन की नींद कब टूटेगी?

लोगों का कहना है कि नगर पालिका सिर्फ आश्वासन देती है, लेकिन एक ईंट तक नहीं रखती। वार्डवासियों की मांग है कि ठेकेदार को जल्द भुगतान कर निर्माण की तारीख तय की जाए, ताकि यह सड़क हकीकत में बन सके।

सोहागपुर एरिया को मिला 3299 करोड़ का मेगा प्रोजेक्ट, रामपुर भटूरा ओसीएम का 10 वर्ष का टेंडर

जेएआरपीएल कंपनी को, 3.75 करोड़ टन कोयला उत्पादन का लक्ष्य

एसईसीएल सोहागपुर एरिया की सबसे बड़ी कोयला खदान रामपुर भटूरा ओपनकास्ट माइंस (ओसीएम) को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। इस खदान का नया मेघा प्रोजेक्ट जे.ए.आर.पी.एल. कंसोर्टियम कंपनी को 10 वर्षों के लिए सौंपा गया है।

धनपुरी।

टेंडर की कुल राशि 3299.51 करोड़ रुपए बताई जा रही है।कंपनी अगले दस वर्षों में 353.80 मिलियन मेट्रिक टन ओवरबर्डन (मिट्टी) हटाएगी और 3 करोड़ 75 लाख टन कोयला उत्पादन करेगी। यह टेंडर न केवल सोहागपुर एरिया का अब तक का सबसे बड़ा प्रोजेक्ट माना जा रहा है, बल्कि यह एरिया का पहला 10 वर्ष का अनुबंध भी है।जनवरी 2026 में ढोलू कंपनी का अनुबंध समाप्तरामपुर भटूरा ओसीएम का संचालन अभी ढोलू कंपनी के पास है। उसका टेंडर जनवरी 2026 में समाप्त होगा, जिसके बाद जे.ए.आर.पी.एल. कंपनी खदान का कार्यभार संभालेगी। कंपनी की टीम पहले ही साइट का निरीक्षण कर चुकी है और प्रारंभिक स्तर पर मशीनरी और मानव संसाधन की तैयारी शुरू कर दी है।वार्षिक लक्ष्य 30 लाख टन, हर बार बढ़कर किया उत्पादनहेड क्वार्टर से रामपुर भटूरा ओसीएम को 30 लाख टन वार्षिक कोयला उत्पादन का टारगेट दिया गया है। खदान हर वर्ष अपने लक्ष्य से अधिक कोयला उत्पादन कर सोहागपुर एरिया का मान बढ़ाती रही है। अब नई कंपनी के आने से उत्पादन में और तेजी की उम्मीद की जा रही है।नई कंपनियों से बढ़ी उम्मीदेंनए वर्ष में सोहागपुर एरिया की कई खदानों में नई कंपनियां काम शुरू करने जा रही हैं।अमलाई ओसीएम में आर.के. ट्रांसपोर्ट कंपनी कोयला उत्पादन शुरू करने की तैयारी में है। रामपुर भटूरा ओसीएम में जे.ए.आर.पी.एल. कंपनी नए वर्ष में कार्य आरंभ करेगी। वहीं राजेंद्रा भूमिगत माइंस और दामिनी भूमिगत माइंस में सीएम मशीनें लगाने की तैयारी चल रही है।इन मशीनों के लगने से भूमिगत खदानों में कोयला उत्पादन क्षमता कई गुना बढ़ेगी। ओपनकास्ट और भूमिगत दोनों क्षेत्रों में कामकाज बढ़ने से सोहागपुर एरिया के उत्पादन लक्ष्य पूरे होने की संभावना मजबूत हो गई है।"अब सोहागपुर एरिया के अच्छे दिन" — कर्मचारियों में उत्साहएरिया में नई कंपनियों और बड़े प्रोजेक्टों के आने से कर्मचारियों और स्थानीय लोगों में उत्साह है। क्षेत्र में चर्चा है कि "अब सोहागपुर एरिया के अच्छे दिन लौट आए हैं।" लंबे समय बाद इतनी बड़ी राशि का अनुबंध और दीर्घकालिक योजना क्षेत्र में नया रोजगार और विकास लेकर आएगी।महाप्रबंधक बी.के. जेना की सक्रियतासोहागपुर एरिया के नए महाप्रबंधक बी.के. जेना ने कार्यभार संभालते ही कोयला उत्पादन को प्राथमिकता दी है। वे लगातार खदानों का दौरा कर रहे हैं और उत्पादन की प्रगति की समीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने सभी उपक्षेत्रीय प्रबंधकों और खान प्रबंधकों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि एरिया का टारगेट हर हाल में पूरा किया जाए।भविष्य की दिशा 10 वर्ष के इस मेगा प्रोजेक्ट से सोहागपुर एरिया को दीर्घकालिक स्थिरता, रोजगार के अवसर और उत्पादन में नई ऊंचाइयां मिलने की उम्मीद है। अगर सब कुछ योजना के अनुसार चला तो आने वाले वर्षों में सोहागपुर एरिया एसईसीएल का सबसे उत्पादक एरिया बन सकता है।

मानव सेवा संगठन चरभइया धाम निरन्तर सात वर्षों से कर रहा जन सेवा का कार्य

ब्यौहारी

विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम ढोंढा कोईलारी,मानव सेवा संगठन चरभइया धाम के सदस्य वेशाहारा व गरीब परिवार एवं दिवंग लोगों को निरन्तर 7 वर्षों से निःशुल्क देते आ रहा है ठंड से बचने के लिए कम्बल गर्मी के दिनों में महिलाओं को साड़ी जो दिनांक 22/10/2025 को ग्राम कोयलारी चिकट तिराहा में 32 बेसाहारा गरीब व दिवंग जनों को कम्बल व 04 बेसाहारा बच्चों को गरम कपड़ा इनर सेट श्री स्वामी अचलानंद मौनी बाबा व मानव सेवा संगठन के सदस्य गण (इंजी) पुष्पेन्द्र पटेल जिला महा मंत्री रामाधार पटेल राजकुमार पटेल शिक्षक , धीरज पटेल श्री हंसराज पटेल , संतोष पटेल (उप सरपंच) , कामता पटेल रामानंद पटेल ,

संतोष पटेल (पौधा वाले) , देवेन्द्र पटेल , अवधेश पटेल , राजकिशोर पटेल , उमेश पटेल , विजय कुमार भूर्तिया , शैलेन्द्र कुमार भूर्तिया , सुधांशु पटेल , दिनेश पटेल मुम्बई वाले , अमरदीप पटेल , राजेश पटेल सभी के गरिमामई उपस्थित व सहयोग से कम्बल वितरण का कार्यक्रम संपन्न हुआ। एवं सभी गरीब बेसाहारा एवं दिवंग जनों ने मानव सेवा संगठन को अपना स्नेह भरा आशीर्वाद दिया।

अरुण पांडे हुए लाइन अटैच

ब्यौहारी।

शहडोल जिले के एसपी राम जी श्रीवास्तव ने ब्यौहारी- टी आई अरुण पांडे को लाइन अटैच कर दिया सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार हनुमान घाटी में अधजली लाश मिली थी जिसमें पुलिस पता नहीं लगा पाई इसके अलावा इंद्रप्रस्थ ज्वेलर्स के सामने महिला को बेवकूफ बनाकर गाड़ी में बैठा कर उसका सोना लूट लिया गया के 5 दिन बाद साखी के दयाशंकर चतुर्वेदी को नाना बनाकर गाड़ी में बैठा लिए और 200000 झटक कर गाड़ी से उतर कर रफू चक्कर हो गए उसके पहले सरस्वती शिशु मंदिर आँखेपुर में भी घुसकर तोड़ फोड़ की गई थी जिसमें ग्रामीण अंचलों में विकसित हो रहे ईसाई मिशनरियों का हाथ हो सकता था इस पर भी पुलिस का खाली हाथ रही इस तरह

से कई घटनाएं हुई जिनका कोई पता पुलिस नहीं लगा पाई इसका मतलब यह है कि पुलिस का मुखबिर तंत्र पूरी तरह से फेल हो रहा है और अपराधियों के हौसले बुलंद होते जा रहे थे यही सब नगर निरीक्षक को ले डूबा अब उनको लाइन अटैच कर दिया गया और व्यवहारी थाने की कमान रिषभ झरिया को सौंपी गई है अब देखना यह है कि झरिया अपराधियों पर कितना लगाम लगा पाते हैं।

नगर परिषद अध्यक्ष ने किया सड़क निर्माण कार्य का भूमि पूजन

हरिभूमि न्यूज जैतहरी।

नगर परिषद के जैतहरी युवा अध्यक्ष उमंग अनिल गुप्ता नगर विकास हेतु लगातार तत्पर रहते हैं। इसी विकास की कड़ी में नगर परिषद जैतहरी के बस्ती में बहु प्रतीक्षित सीसी रोड के निर्माण कार्य का भूमि पूजन 26 अक्टूबर रविवार को किया गया। उक्त सड़क निर्माण से वार्ड क्रमांक 12, 13, 14 व 15 को सीधे जैतहरी के मुख्य मार्ग से जोड़ा जा सकेगा। वार्ड वासियों की मांगों को देखते हुए युवा अध्यक्ष उमंग अनिल गुप्ता के द्वारा उक्त सड़क का भूमि पूजन कर शीघ्र निर्माण के लिए आदेश दिए गए ताकि यहां के रहवासियों को किसी प्रकार से आवागमन की असुविधा ना हो। नगर परिषद अध्यक्ष की लगातार यही कोशिश रहती है की नगर वासियों को किसी भी प्रकार से कोई असुविधा न हो सके। इसी तारतम्य में लगातार प्रयास किया जा रहे हैं। उक्त कार्यक्रम में विंध्य विकास प्राधिकरण के पूर्व उपाध्यक्ष अनिल गुप्ता, मुख्य नगर पालिका अधिकारी भूपेंद्रसिंह, भीखम सिंह, अशोक सिंह, लाल प्रताप सिंह, नाथूराम राठौर, नरेश नापित, लक्ष्मी नारायण शुक्ला, अब्दुल जलील, कैलाश मरावी, शहीद नगर परिषद के सभी कर्मचारी उपस्थित रहे।

खीर का प्रसाद ग्रहण कर शुरू हुआ 36 घंटे का निर्जला उपवास

नहाय-खाय कर व्रतियों ने लिया सूर्योपासना का संकल्प

हरिभूमि न्यूज राजनगर।

नगर परिषद बनगवां (राजनगर) क्षेत्र के अंतर्गत लोक आस्था का चार दिवसीय महापर्व शनिवार को नहाय-खाय के साथ शुरू हो गया। वैसे इस क्षेत्र में छठ पर्व विगत 40 वर्षों से अधिक समय से मनाया जा रहा है। छठ पर्व का आकर्षण का केंद्र राजनगर का जोड़ा तालाब, न्यू राजनगर साइडिंग तालाब, शांतिनगर छोटी भलमुड़ी तालाब रहता है। नगर के सभी छठ घाट नगर परिषद बनगवां (राजनगर) के द्वारा समय पर साफ सफाई, पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था, पेयजल की व्यवस्था करा कर तैयार करा दिए गए हैं। पहले दिन संकल्प के साथ व्रतियों ने नहाय-खाय के साथ व्रत का अनुष्ठान किया। सूर्य उपासना का यह लोक पर्व कार्तिक शुक्ल चतुर्थी तिथि से शुरू होकर सप्तमी तिथि तक मनाया जाता है। छठ के दूसरे दिन रविवार को खरना का व्रत रखा जायेगा। तीसरे दिन सोमवार को अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ दिया जायेगा, जबकि चौथे और आखिरी दिन मंगलवार को उदीयमान सूर्य को अर्घ देकर व्रत का पारण होगा। भगवान सूर्य को समर्पित है पर्वः

हिंदू धर्म में छठ पूजा का विशेष महत्व होता है। यह पूजा भगवान सूर्य एवं छठी मइया को समर्पित होता है। इस व्रत में सूर्यदेव और छठी मइया की विशेष रूप से पूजा-आराधना की जाती है। इसके तहत पूरे विधि-विधान के साथ उपवास रखकर उगते और डूबते हुए सूर्य को अर्घ दिया जाता है। नहाय-खाय को लेकर व्रती महिलाओं ने तालाब, नदी, में स्नान किया। इसके बाद व्रती घर लौटे और मिट्टी के चूल्हे पर आम की लकड़ी से कद्दू की सब्जी, चने की दाल व अरवा चावल का प्रसाद पकाये तथा भगवान सूर्य को भोग लगाकर खुद के साथ सगे संबंधियों को खिलाया जाता है। नहाय-खाय का महत्व ज्योतिषाचार्य पं. रामकुमार पाठक ने बताया कि छठ में नहाय-खाय का खास महत्व होता है। छठ महापर्व का पहला दिन नहाय-खाय कहलाता है। इस दिन व्रत चार दिनों तक चलने वाले व्रत का संकल्प लिया जाता है, तथा मन और शरीर को शुद्ध करते हुए व्रत और पूजा-अर्चना का शुभारंभ किया जाता है। क्योंकि, भगवान भास्कर की आराधना में पवित्रता का विशेष ख्याल रखना अनिवार्य होता है। खरना का व्रत रविवार को किया गया। व्रती गंगा अथवा नदी या तालाबों में पावन स्नान करेंगे तथा चावल, दूध व गुड़ मिश्रित खीर एवं रोटी का प्रसाद बनाकर भगवान सूर्य को भोग लगायेंगे। इसके बाद प्रसाद ग्रहण कर 36 घंटे का निर्जला उपवास शुरू करेंगे।

'आस्था पर चोट' के जिम्मेदार स्थानीय प्रशासन व जिम्मेदार

हॉस्टल के बहते गंदे पानी से व्रती महिलाएं करेंगी पूजन

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

पूर्वांचल वासियों का 4 दिवसीय कार्तिक छठ पूजा 25 अक्टूबर (शनिवार) को नहाए-खाए से प्रारंभ हो चुका है। 26 अक्टूबर रविवार को खरना में छठ मैया के पूजा का ध्वज वंदन के साथ शुभारंभ हुआ वही आज 27 अक्टूबर को सूर्यास्त के पूर्व प्रथम अर्घ्य तथा 28 अक्टूबर को सूर्य उदय में द्वितीय अर्घ्य देकर छठी मैया का पूजन सम्पन्न किया जायेगा। छठ पूजन की तैयारी अनूपपुर नगर के ऐतिहासिक धार्मिक स्थल पांडव कालीन सामतपुर के मड़फा तालाब एवं तिपान नदी के तट पर पूजन हेतु घाट की सफाई के साथ छठी मैया के पूजन आसन की तैयारी पूर्ण कर ली गई है, किन्तु तिपान नदी मे आस्था पर

चोट पहुंचाई जा रही है। यहां नदी किनारे बने हॉस्टलों का गंदा पानी नदी में बहाया जा रहा है वही प्रशासन भी देखकर अंजान बना हुआ है। जहां एक तरफ सभी मातृ शक्तियां प्रातःकाल सूर्य देव की उपासना करेंगी, लेकिन प्रशासन या नगरपालिका द्वारा इस गंदे पानी का कोई भी विकल्प नहीं बनाया गया है। जिला प्रशासन नगर पालिका, नगर पालिका अध्यक्ष व पार्षद को इस ओर अपना ध्यान केंद्रित कर कम से कम 24 घंटे के लिए इसे बंद करवा देना चाहिए जिससे नदी के साफ सुथरे बहते हुये पानी पर पूजा सम्पन्न हो सके, किन्तु न तो जनप्रतिनिधि और न ही स्थानीय प्रशासन का ध्यान इस ओर है तभी तो महापर्व के दौरान भी गंदा पानी नदी मे बह रहा है और उसी गंदे पानी मे व्रती महिलाएं अपना पूजा पाठ करेंगी। यह विडम्बना ही है कि सब जानते हुये भी प्रशासन व जनप्रनिधि इस मामले मे किसी प्रकार की पहल नही कर रहे हैं।

बलबहरा डबल मर्डर केस ने पकड़ा नया मोड़ परिजन बोले: संजय जायसवाल करें मामले की जांच

शहडोल। जिले के बुढ़ार थाना अंतर्गत ग्राम बलबहरा में दीपावली की पूर्व संध्या पर हुई दो सगे भाइयों की हत्या का मामला अब एक नया मोड़ ले चुका है। घटना के पांच दिन बाद मृतकों के परिजन न्याय की मांग लेकर पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे। उन्होंने ज्ञापन सौंपते हुए आग्रह किया कि मामले की जांच तत्कालीन बुढ़ार थाना प्रभारी संजय जायसवाल से कराई जाए। परिजनों का कहना है कि उन पर उन्हें पूर्ण भरोसा है और वही अधिकारी इस भीषण हत्याकांड की निष्पक्ष जांच कर सकते हैं।

त्योहार से पहले दहशत फैली थी बलबहरा में - घटना दीपावली के एक दिन बाद की है, जब ग्राम बलबहरा निवासी राकेश तिवारी अपने भाइयों राहुल और सतीश के साथ अपनी ऑटो पार्ट्स दुकान में पूजा की तैयारी कर रहे थे। तभी पुराने विवाद को लेकर पड़ोसी अनुराग शर्मा अपने कई साथियों के साथ वहां पहुंचा और तीनों भाइयों पर धारदार हथियारों से हमला कर दिया। इस हमले में राकेश और राहुल की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीसरा भाई सतीश गंभीर रूप से घायल होकर अस्पताल में भर्ती है।

मरने से पहले किया खुलासा - मृतक राहुल ने अपनी आखिरी सांसों में मोबाइल वीडियो के माध्यम से हमलावरों के नाम उजागर किए थे। यही वीडियो अब पूरे मामले का अहम सबूत बन गया है। घटना के बाद तत्कालीन केशवाही चौकी प्रभारी आशीष झरिया को डीआईजी ने निलंबित कर दिया, जबकि थाना प्रभारी का स्थानांतरण कर दिया गया।

आठ आरोपी गिरफ्तार, बाकी की तलाश जारी- पुलिस ने मुख्य आरोपी अनुराग शर्मा सहित आठ लोगों को गिरफ्तार कर लिया है,

खबर संक्षेप

संडे ड्यूटी आदेश के विरोध में संयुक्त मोर्चा का प्रदर्शन

अनूपपुर। एसईसीएल के जमुना-कोतमा क्षेत्र के एओसीपी प्रोजेक्ट में प्रबंधन द्वारा पाँच दिन का फिजिकल अटेंडेंस पूरा करने पर संडे चालू करने संबंधी आदेश जारी किया गया था इस आदेश के विरोध में संयुक्त मोर्चा (जेएण्डके क्षेत्र) के सदस्यों ने रविवार सुबह 6 बजे से गेट मीटिंग व धरना प्रदर्शन प्रारंभ किया। प्रदर्शनकारी मजदूरों ने आदेश को "तुगलकी फरमान" बताते हुए कहा कि यह मजदूरों पर अनावश्यक दबाव डालने जैसा है स्थिति को देखते हुए महाप्रबंधक प्रभाकर राम त्रिपाठी के हस्तक्षेप के बाद समझौता हुआ और जिन 25 कर्मचारियों का संडे बंद था, उनका ड्यूटी पुनः चालू किया गया इसके बाद जमुना-कोतमा क्षेत्र का उत्पादन कार्य सामान्य रूप से शुरू हो सका। संयुक्त मोर्चा के पदाधिकारियों ने चेतावनी दी कि यदि भविष्य में इस तरह के निर्णय मजदूरों पर जबरदस्ती थोपे गए तो संगठन और कड़ा आंदोलन करेगा साथ ही मजदूरों से अपील की गई कि वे अपने-अपने कार्यस्थलों पर वापस लौटें, पर आगामी संघर्ष के लिए तैयार रहें। संयुक्त मोर्चा ने कहा कि प्रबंधन मजदूरों के हितों को ध्यान में रखते हुए किसी भी निर्णय से पहले श्रमिक संगठनों से विचार-विमर्श करे।

मड़फा तालाब में संपन्न हुआ छठी मैया का झंडा वंदन पूजन

अनूपपुर। नगर के ऐतिहासिक एवं पावन सामतपुर मढ़फा तालाब परिसर में छठ पूजा समिति द्वारा आज दिनांक 26 अक्टूबर (रविवार) को पारंपरिक श्रद्धा और उल्लास के साथ छठी मैया पूजन की शुरुआत झंडा वंदन कार्यक्रम से की गई। पांडवकालीन शिव मारुति मंदिर परिसर में सायं चार बजे आयोजित झंडा वंदन पूजन विद्वान पंडित आचार्य केशव प्रसाद मिश्रा (चंदू महाराज) के वैदिक मंत्रोच्चारण एवं विधि-विधानपूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से समिति के संयोजक एडवोकेट अक्षयवट प्रसाद, भगवा पार्टी जिला अध्यक्ष कन्हैया लाल मिश्रा, पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष रमेश सिंह, प्रदेश सचिव सुजीत मिश्रा, पंडित दिनेश मिश्रा, विजय सिंह राठौर, पार्षद गणेश रौतेल, चैतन्य मिश्रा, अजय प्रसाद, शिव मारुति युवा संगठन अध्यक्ष बृजेश राठौर, उपाध्यक्ष शिवांशु रंजन, सदस्य सुशील राठौर एवं मनीष राठौर सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान राज्य आपदा प्रबंधन केंद्र अनूपपुर के जिला कमांडेंट एवं उनकी टीम ने सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण कर टीम को मुस्तैदी से तैनात किया।

जज के घर पथराव व तोड़फोड़ कर दी जान से मारने की धमकी

पुलिस, पत्रकार के बाद अब न्यायाधीश को भी 'खतरा'

कैसे मजिस्ट्रेटी करते हो, देख लेंगे की बदमाशों ने दी थी चेतावनी
पुलिस ने दर्ज की एफआईआर, मुख्य न्यायाधीश ने किया निरीक्षण

जिला मुख्यालय से 35 किलोमीटर दूर जिले के भालूमाडा थाना क्षेत्र मे लगातार घटनाएं सामने आ रही है। संभाग का यह पहला मामला है, जहां मजिस्ट्रेट के साथ पथराव और जान से मारने का मामला सामने आया है। मामला शुक्रवार रात (24 अक्टूबर) जिले के भालूमाड़ा इलाके का है। मजिस्ट्रेट ने शनिवार को पुलिस को इस मामले में शिकायत दर्ज कराई है। जिस पर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ धारा 224, 296, 324, 331 (6) 333. 351(3) भारतीय न्याय संहिता 2023 के तहत मामला दर्ज कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी एंव व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड कोतमा के न्यायाधीश अमनदीप सिंह छावड़ा पिता कुलदीप सिंह छावड़ा उम्र 39 वर्ष ने इसकी शिकायत भालूमाडा थाने में की थी। उन्होंने बताया कि न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी एवं व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड-कोतमा, जिला अनूपपुर (म.प्र) के पद पर पदस्थ है। अपने घर में सपरिवार निवासरत है। 24 अक्टूबर को रात्रि लगभग 12:30 बजे के पश्चात वह अपने परिवार सहित अपने आवास में सो रहे थे। तभी अज्ञात व्यक्तियों ने माँ-बहन की अश्लील गालियां देकर कैसे मजिस्ट्रेटी करते हो. देख लेंगे, जान से मार देंगे आदि कहकर धमकी दे रहे थे। आरोपियों ने शासकीय आवास के गेट लैम्प, दीवार में लगे लोहे के एंगल आदि को तोडकर घर के आंगन में पथराव कर रहे थे। आरोपियों ने मजिस्ट्रेट को जान से मारने की धमकी भी दी। जब मजिस्ट्रेट अपने निवास से बाहर निकले तो आरोपी वहां से फरार हो गए। इसके बाद उन्होंने इसकी सूचना थाने में की थी। शाम को भालूमाड़ा पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। ज्ञात हो कि पिछले दिनों मजिस्ट्रेट के द्वारा जमानत आवेदन खारिज कर दिया गया था पुलिस उक्त मामले को उससे भी जोड़कर विवेचना कर रही है।

मुख्य न्यायाधीश ने किया निरीक्षण

न्यायाधीश अमनदीप सिंह छाबड़ा पर हुई हमले को लेकर मुख्य न्यायाधीश ने पुलिस को सख्त चेतावनी दी थी। उन्होने कहा था कि जजों की सुरक्षा को लेकर पुलिस का रवैया बिल्कुल भी सही नहीं है। ज्ञात हो कि कोतमा में पदस्थ न्यायाधीश अमनदीप सिंह छाबड़ा के घर पर 24-25 अक्टूबर की रात अज्ञात लोगो ने पथराव करते जान से मारने की धमकी दी थी। जिसकी सूचना न्यायाधीश ने भालूमाडा पुलिस को फोन में दी थी, लेकिन उसके बाद भी पुलिस आधे घंटे के पहुंची थी। जिस पर न्यायाधीश ने आरोप लगाया कि पुलिस का रवैया बिल्कुल भी सही नहीं था। इसके बाद प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश माया विश्वलाल, न्यायाधीश के घर पहुंची और उन्होंने जजों की सुरक्षा को लेकर पुलिस के रवैये पर रविवार को गंभीर चिंता व्यक्त की।

हमला प्रकरण के तीन आरोपी गिरफ्तार

न्यायिक मजिस्ट्रेट के सरकारी आवास मे हुए हमले के मामले में भालूमाड़ा पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है एवं घटना में प्रयुक्त मोटर साईकल की जप्ती की गई है। थाना प्रभारी संजय खलको ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी प्रियांशु सिंह उर्फ जैगवार (25 वर्ष), देवेन्द्र केवट (23 वर्ष) और मनिकेश सिंह (19 वर्ष) तीनों भालूमाड़ा निवासी हैं। घटना के समय तीनों नशे की हालत में थे। इनमें से प्रियांशु सिंह उर्फ जैगवार एक आदतन अपराधी है, जिसके खिलाफ पहले भी कई प्रकरण दर्ज हैं। थाना प्रभारी के अनुसार, आरोपियों ने देर रात न्यायाधीश के सरकारी आवास के बाहर पहुंचकर पत्थरबाजी और गाली-गलौज की थी, जिससे क्षेत्र में दहशत फैल गई थी। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए अलग-अलग स्थानों पर दबिश दी और तीनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया। थाना प्रभारी संजय खलको ने बताया कि "मुख्य आरोपी प्रियांशु सिंह का आपराधिक रिकॉर्ड खंगाला जा रहा है। तीनों आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया है।

पुलिस अधिकारियों के खिलाफ होगी कार्रवाई

मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश माया विश्वलाल स्वयं न्यायाधीश छाबड़ा के आवास पर पहुंचीं। जहां उन्होंने भालूमाड़ा थाना प्रभारी संजय खलको और कोतमा एसडीओपी आरती शाक्य को चेतावनी दी कि यदि आरोपी को तत्काल गिरफ्तार नहीं किया गया, तो वे घटना की जानकारी हाईकोर्ट को देंगी, जिसके बाद अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

समृद्ध भारत के लिए 'सशक्ति संगम' का आयोजन संपन्न

समाज परिवर्तन के लिए मातृशक्ति ने लिया संकल्प

सम्मानित हुईं प्रेरणा की स्रोत मातृशक्ति

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

विद्या भारती से संबद्ध सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अनूपपुर में रविवार, 26 अक्टूबर 2025 को 'सशक्ति संगम' का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में मातृशक्ति को संगठित कर सामाजिक, सांस्कृतिक और शैक्षणिक क्षेत्र में सशक्त भूमिका निभाने हेतु प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती एवं भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्वलन से हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में खनिज अधिकारी अनूपपुर श्रीमती ईशा वर्मा तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रीति सिंह उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता सरस्वती सेवा समिति की अध्यक्ष श्रीमती पुष्पेंद्र रानी सोनी ने की। 'सप्तशक्ति संगम' की वक्ता डॉ. सरोज शुक्ला ने अपने उद्बोधन में कहा कि जब महिला शिक्षित, सजग और संगठित होती है, तब समाज अपने आप प्रगतिशील बन जाता है। वक्ता द्वितीय श्रीमती मीना सिंह ने भारतीय संस्कृति में नारी के आदर्श स्वरूप एवं वर्तमान समाज में उसकी आवश्यक भूमिका पर विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती आकांक्षा शुक्ला (संयोजिका सप्त शक्ति) एवं श्रीमती श्वेता नामदेव ने संयुक्त रूप से किया, जबकि संयोजन श्रीमती ज्योति नंदा द्वारा किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार, छात्राओं, महिला अभिभावकों एवं नगर की अनेक गणमान्य महिलाएं उपस्थित रहीं। विद्यालय की बहनों ने पारंपरिक सांस्कृतिक वेशभूषा में देश की वीरांगनाओं एवं प्रेरणादायक मातृशक्तियों के रूप में सुंदर झांकियां प्रस्तुत कीं। विद्यालय की आचार्या दीदी श्रीमती संध्या शिवहरे ने सरस्वती वंदना एवं विद्या भारती संगठन गीत प्रस्तुत कर सभी को भावविभोर किया। कार्यक्रम में उपस्थित मातृशक्तियों ने अपने अनुभव साझा किए ,और 'सप्तशक्ति संगम' के उद्देश्यों की सराहना करते हुए महिला सशक्तिकरण का संदेश दिया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, समूह गीतों और प्रेरणादायक प्रसंगों के माध्यम से मातृशक्ति की भूमिका को भावपूर्ण ढंग से प्रस्तुत किया गया।

सम्मानित हुईं प्रेरणा की स्रोत मातृशक्ति

कार्यक्रम में समाज में सशक्तिकरण का उदाहरण बनी महिलाओं का सम्मान किया गया। सबसे पहले बहन राजकुमारी को सम्मानित किया गया जो अनूपपुर स्टेशन में एक महिला कुली हैं और कठिन परिश्रम से लोगों का बोझ ढोकर यह संदेश देती हैं कि कोई कार्य छोटा-बड़ा नहीं होता। सम्मान पाकर वे भावविभोर हो उठीं। इसके अलावा भारतीय थल सेना में सैनिक के पद पर सेवा दे रहे वीर सपूत की मां श्रीमती गायत्री तिवारी को पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। श्रीमती चंद्रकला तिवारी को संयुक्त परिवार व्यवस्था के लिए, श्रीमती लक्ष्मी केडिया जी को पर्यावरण संरक्षण एवं जैविक उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देने हेतु, तथा निर्मला रावत को समाज सेवा के लिए सम्मानित किया गया। सभी सम्मानित महिलाओं को विद्यालय परिवार द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट किए गए। कार्यक्रम का समापन मातृशक्तियों द्वारा लिए गए संकल्प, कुटुंब प्रबोधन और पर्यावरण संरक्षण के प्रेरक संदेश के साथ हुआ। प्रश्नोत्तरी सत्र में सभी प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की और सफल परिणाम प्राप्त किए। कार्यक्रम का समापन शांति पाठ के साथ हुआ, जिसमें सह संयोजिका श्रीमती ज्योति नंदा ने आभार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का स्थल सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, अनूपपुर एवं आयोजक कार्य मातृशक्ति मंडल अनूपपुर ने किया।

केंद्रीय मंत्री तोखन साहू ने अमरकंटक में मां नर्मदा का लिया आशीर्वाद, भागवत कथा में हुए शामिल

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। पवित्र नगरी अमरकंटक, जो प्रदेश का प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन तीर्थस्थल है, जहां रविवार को केंद्रीय शहरी विकास राज्य मंत्री एवं बिलासपुर संसदीय क्षेत्र के सांसद तोखन साहू ने अपने अल्प प्रवास के दौरान पतित पावनी मां नर्मदा उद्गम स्थल पर विधिवत पूजन-अर्चन और दर्शन किया। मां नर्मदा जी के दर्शन के उपरांत श्री साहू गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के पेंड्रा रोड स्थित कथा स्थल पहुंचे, जहाँ परम पूज्य धर्मचक्रवर्ती पद्मविभूषण जगद्गुरु रामानंदाचार्य स्वामी रामभद्राचार्य जी महाराज द्वारा सप्तदिवसीय दिव्य श्रीमद्भागवत महापुराण कथा का आयोजन किया जा रहा है। केंद्रीय मंत्री ने कथा श्रवण किया और संत समाज से आशीर्वाद प्राप्त किया। इससे पूर्व, तोखन साहू मरवाही विधायक प्रणव मरपच्ची की माताजी के निधन पर उनके निवास पहुंचे, जहाँ उन्होंने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की और ढांढस बंधाया। इसी प्रवास के दौरान उन्होंने अमरकंटक में मां नर्मदा जी का दर्शन करने का अवसर प्राप्त किया। अमरकंटक के वरिष्ठ पत्रकार धनंजय तिवारी से संक्षिप्त बातचीत के दौरान जब मंत्री श्री साहू से पूछा गया कि उन्होंने मां नर्मदा जी से क्या कामना की, तो उन्होंने कहा की "पतित पावनी मां नर्मदा जी सबको देने वाली हैं। सभी मनोकामनाओं को पूर्ण करती हैं। हमने मां से यही प्रार्थना की है कि उनकी कृपा, स्नेह और आशीर्वाद हम सब पर बना रहे, राष्ट्र और प्रदेश सुख, समृद्धि और संपदा से परिपूर्ण रहें। जब उनसे अमरकंटक पेंड्रा मार्ग की जर्जर स्थिति के संबंध में प्रश्न किया गया, तो उन्होंने कहा की वर्षा काल के दौरान मार्गों की हालत खराब हुई है, सुधार कार्य कराया जाएगा। पवित्र नगरी अमरकंटक के चौमुखी विकास एवं सौंदर्यीकरण को लेकर पूछे गए प्रश्न पर उन्होंने कहा कि "सभी प्रमुख पर्यटन और धार्मिक तीर्थ स्थलों का विकास कराया जाएगा। हालांकि, अमरकंटक के विकास के विशेष प्रस्ताव पर उन्होंने कोई स्पष्ट टिप्पणी नहीं की और आगे बढ़ गए।

माहेश्वरी समाज का दीपावली मिलन समारोह संपन्न

सभी ने बढ़-चढ़ कर निभाई सहभागिता

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। माहेश्वरी समाज का संभाग स्तरीय दीपावली मिलन समारोह रविवार को धनश्री पैलेस अनूपपुर में धूमधाम के साथ संपन्न हुआ।इस कार्यक्रम में माहेश्वरी समाज के संभाग स्तरीय सभी लोगों ने बढ़- चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान शिव जी के सामने दीप प्रज्वलित कर भगवान को माल्यार्पण किया गया।एवं समाज के वरिष्ठ लोगों ने पूजा अर्चना की तत्पश्चात माहेश्वरी समाज के संभागीय अध्यक्ष सुनील मंत्री ने भजन शिव कैलाश के वासी का गायन किया। माहेश्वरी समाज की वरिष्ठ महिला किरण बियानी ने माहेश्वरी समाज पर विस्तृत प्रकाश डाला एवं सभी का स्वागत किया।कार्यक्रम का सफल संचालन माहेश्वरी समाज के संभागीय अध्यक्ष सुनील मंत्री ने किया। इस अवसर पर कार्यक्रम में माहेश्वरी समाज के शहडोल, बुढार, अमलाई, चचाई, धनपुरी, अनूपपुर, जैतहरी के माहेश्वरी समाज के पुरुष, महिलाएं एवं बच्चे काफी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम के शुभारंभ में नाश्ते की विशेष व्यवस्था की गई थी। तत्पश्चात तमाम तरह के गेम्स का आयोजन किया गया।जिसमें हाऊजी आदि गेम खिलाया गया। जिसमें समाज के सभी लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया एवं पुरस्कार प्राप्त किया। महिलाओं ने राजस्थानी घूमर डांस किया इसके सभी ने प्रशंसा की। कार्यक्रम के मध्य में स्नेह भोज का आयोजन किया गया।सभी ने एक दूसरे को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं दी। माहेश्वरी समाज के वरिष्ठ एम एल.मंत्री, जी.एल. गट्टानी, कमल मूंदड़ा, शेष नारायण मूंदड़ा, राजा बियानी, अरुण बियानी, ओरिएंट पेपर मिल हेड ईनाणी जी,डॉ. पवन मूंदड़ा, आदेश खटोड़, संगीता, संध्या बियानी, डॉक्टर मंजूलता मूंदड़ा, वनिता लखोटिया ने समाज के प्रति अपना संबोधन दिया। सभी ने माहेश्वरी समाज पर प्रकाश डालते हुए कहा कि माहेश्वरी समाज एक संगठित समाज है। इसके साथ ही समाज द्वारा किए जा रहे कार्यों एवं तमाम तरह के ट्रस्टों की जानकारी दी गई एवं कहा गया कि जरूरतमंद तक सेतु बनकर उसका जरूरतमंद लोगों को लाभ दिलाए। साथ ही कहा कि राष्ट्र की उन्नति के लिए माहेश्वरी समाज का विशेष योगदान है। उन्होंने कहा कि माहेश्वरी समाज आज पहचान का मोहताज नहीं है। माहेश्वरी समाज आज धार्मिक, सामाजिक, राजनीतिक क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभा रहा है।साथ ही सेवा एवं परमार्थ के कार्य में भी संलग्न होकर अपनी अलग पहचान बन चुका है।यही नहीं जरूरतमंद लोगों के लिए हर संभव मदद करने का भाव माहेश्वरी समाज के प्रत्येक व्यक्ति में देखा जा सकता है, वही समाज के प्रत्येक ग्रुप द्वारा शिक्षा एवं चिकित्सा के क्षेत्र में जो कार्य किया जा रहे हैं वह अपने आप में प्रशंसनीय है। माहेश्वरी समाज में ब्रह्मा, विष्णु और महेश का स्वरूप झलकता है। उपस्थित लोगों ने कहा कि ब्रह्मा, विष्णु, महेश के वृहद स्वरूप के दर्शन माहेश्वरी समाज में होते हैं। पूरे भारत में माहेश्वरी समाज अपने समाज के उत्थान के लिए दिन-रात जुटे रहते हैं और अपनी नई सोच के जरिए समाज का विकास भी कर रहे हैं। कार्यक्रम के मध्य में समाज की सबसे वरिष्ठ महिला केसर देवी बियानी भी पहुंची। जिनका सभी ने स्वागत किया एवं उनके हाथों से पुरस्कार वितरण कराया। कार्यक्रम में शहडोल संभाग के सभी स्थानों से माहेश्वरी समाज के लोगों ने शिरकत की एवं खुशी का इजहार किया और इसी तरह हमेशा मिलते रहने का वादा भी किया। माहेश्वरी समाज के जिलाध्यक्ष सुनील मंत्री ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

तीन दिवसीय अखिल भारतीय युवा संत चिंतन वर्ग का हुआ उद्घाटन

विश्व हिंदू परिषद के तत्वाधान में किया जा रहा आयोजन

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

विश्व हिंदू परिषद का तीन दिवसीय अखिल भारतीय युवा संत चिंतन वर्ग का शुभारंभ अमरकंटक के मृत्युंजय आश्रम में हुआ। इस अवसर पर पूज्य संत नर्मदा नंद बापू जी महाराज विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार एवं संरक्षक माननीय दिनेश चंद्र मंचासीन रहे सर्वप्रथम भगवान श्री राम दरबार एवं भारत माता के चित्रपट पर दीप प्रज्वलित एवं आरती पूजन किया गया एवं आचार पद्धति एवं मंचीय परिचय उपरांत उद्बोधन हुआ। कार्यक्रम का संचालन विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय मंत्री एवं केंद्रीय धर्माचार्य संपर्क प्रमुख अशोक तिवारी द्वारा किया गया। केंद्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने पूज्य सन्तो का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के 100 वर्ष एवं विश्व हिन्दू परिषद के 60 वर्षों में यह प्रगति हुई जब लोग यह कहते है की हमे गर्व है कि हम हिन्दू है और देश भक्त हिन्दू, जागरूक हिन्दू, स्वाभिमानी हिन्दू खड़ा हो रहा है। पहले अपने को हिन्दू कहना कठिन लगता था उसके प्रति आदर नही होता था, कुछ लोगों का कहना था कि सभी धर्म एक जैसे है अगर ऐसा होता तो हिंदुओं में भी आतंकवादी पैदा होते। सभी का अपने संचित कर्मों के अनुसार जन्म हुआ है। जब राम मंदिर का आंदोलन हुआ तब कार सेवकों ने अपने खून से राम लिखा था, मन्दिर निर्माण के लिए 40 दिन में देश के 65 करोड़ लोगों ने उम्मीद से ज्यादा धन एकत्र किया। हिंदुत्व का गौरव बढ़ा है अब कोई हिंदुत्व की अवहेलना नहीं कर सकता। हमे अपने बच्चों को हिन्दू जीवन मूल्यों के विषय मे बतलाना आवश्यक हो गया है। धर्मांतरण का विष फैलता जा रहा है इसे रोकना होगा यह समस्या गहरी है इसके निदान के लिए विश्व हिन्दू परिषद ने 850 गांव चुने है जहाँ धर्मांतरण की जड़े फैलती जा रही हैं वहां सब मिलकर प्रयत्न करेंगे तो धर्मांतरण रोकने एवं गांव गांव घर वापसी करने वाले लोग मिलेंगे।

सनातन समाज को एकत्र रहने का संदेश

पूज्य संत नर्मदा नंद बापू महाराज ने सन्तो का आव्हान करते हुए कहा कि हमारा सनातन समाज एकत्रित रहे इसके लिए सभी युवा संत एकत्र हुए है, देश मे बढ़ रहे इसाईकरण एवं इस्लामीकरण को रोकना और धर्मान्तरित लोगों को वापस लाना इसका प्रयास सबको मिलकर करना है। विश्व हिन्दू परिषद के संरक्षक दिनेश ने संगठन की स्थापना, उद्देश्य एवं आवश्यकता के बारे में बतलाते हुए कहा कि देश की आजादी के बाद भी हिन्दू समाज मे हमारी बहन बेटियां सुरक्षित नही थी, गौमाता सुरक्षित नही थे हमारे मठ मन्दिर साधु संत, हमारे मानबिंदु सुरक्षित नहीं थे, विदेश में रहने वाले हिन्दू भी सनातनी सभ्यता से विमुख होता जा रहा था। जिसके लिए देश एवं विदेश में देशभक्त, समझदार, स्वाभिमानी, संस्कारवान, सक्रिय एवं संगठित हिन्दू समाज बनाने की आवश्यकता थी जिसके लिए विहिप की स्थापना की आवश्यकता महसूस की गई और 1964 में मुम्बई के चिन्मयानन्द आश्रम में तत्कालीन सरसंघचालक गुरुजी के मार्गदर्शन एवं स्वामी चिन्मयानन्द सरस्वती, हनुमान प्रसाद पोद्दार, सभी मत पंथ सम्प्रदाय के पूज्य संत एवं पूज्य शंकराचार्य की उपस्थिति में विश्व हिन्दू परिषद की स्थापना हुई जिसका बोध चिन्ह वटबृक्ष एवं बोध वाक्य धर्मो रक्षति रक्षितः तय हुआ। उन्होंने आगे कहा कि1966 में प्रयागराज कुम्भ में पूज्य शंकराचार्यो एवं देश के प्रमुख सन्तो के सानिध्य में आयोजित हिन्दू सम्मेलन में धर्मांतरण रोकने एवं घर वापसी करना हिन्दू समाज स्वीकार करे यह प्रस्ताव आया और सर्व सम्मति से पास हुआ और निर्णय हुआ कि हिन्दू समाज रूपी सम्पत्ति जो हिन्दू से इसाई एवं मुसलमान बन गए ऐसी हिन्दू समाज रूपी सम्पत्ति घर वापस लाने का कार्य किया जाये और तब से विश्व हिन्दू परिषद इस पुनीत कार्य मे लगा है। उन्होंने पूज्य संतों का आव्हान करते हुए कहा कि शिक्षा के साथ संस्कार आधारित शिक्षा स्थापित करने की भूमिका पूज्य सन्तो को निभाना पड़ेगा एवं समाज मे दायित्व बोध के साथ कर्तव्य बोध जाग्रत करना पड़ेगा क्योकि ईश्वर ने विश्व कल्याण के लिये हमें दायित्व दिया है तभी भारत वैचारिक रूप से मजबूत होकर खड़ा होगा। जिस प्रकार शरीर को मजबूत बनाने के लिए रीढ़ का मजबूत होना आवश्यक है उसी प्रकार अगर विश्व का कल्याण करना है तो भारत को मजबूत बनाना होगा, भारत तभी मजबूत होगा जब भारत की परंपरा मजबूत होगी।